**Title:** Need to look into the problems of wheat and paddy growers with regard to sale of their products.

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) : अध्यक्ष महोदय, गत माहों में धान उत्पादक किसान को १०० रुपये से ८० रुपये प्रति क्विंटल तक के घाटे पर अपनी फसल बेचने को मजबूर होना पड़ा है। सरकारी निर्धारित मूल्य ५२० रुपये की जगह उसे ४२० से ४८० रुपये प्रति क्विंटल तक के मूल्य पर धान बेचना पड़ा है। भारतीय खाद्य निगम को ४० प्रतिशत मंडी में आये धान को खरीदने की जिम्मेदारी थी, उसने मात्र २८ प्रतिशत तक की खरीददारी की। आगामी गेहूं खरीद के भी यही आसार नजर आ रहे हैं। वह भी आज चावल के समान ही निगम के भण्डारों में पड़ा है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि अभी समय रहते आवश्यक कदम उठाए ताकि गेहूं उत्पादक किसान को धान उत्पादक किसान की तरह हानि न उठानी पड़े।

&nbs